

Petition No: _____
Certificate Case No: _____

In The Court Of the Certificate Officer at Ghatsila

Certificate Case No 46/PC/1543/206/12
Schedule XL III High Court N.(J)(Old)(M)(964)

*Bank of India's
JWALKANTA*

FORM OF ORDER SHEET

Verses

*Ram Ranjan Goswami.
S/o Ajit Nanda Goswami.
At P.O. Shyamsunderpur*

Note of action
taken on order
with date

Order with the signature of the Court

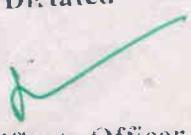
No. &
of Orders

286
Seen the requisition filed by the Branch Manager **Bank Of India**
JWALKANTA Branch/DTO, Jamshedpur for recovery of
Rs 59775 (Rs Fifty Nine Thousand Seven Hundred Seventy Five)
Only from **RAM RANJAN GOSWAMI** S/O Ajit Nanda Goswami
at At+Po Shyamsunderpur P.S Shyamsunderpur
Dis: East Singhbhum Jharkhand
On account of Bank Loan/ Road Tax/Additional Tax /Scheme
under P.D.E Act.

Also Seen the verification report appended on the requisition
have satisfied myself that demand is recoverable and the
recovery of suit is no barred by law accordingly the certificate
is signed.

Advolera Cost of Rs 3905 have been filed . Enter in
register X and issues notice U/S. 7 of the P.D.R Act . Put up
record on

Dictated


Certificate Officer
Ghatsila

२४/६/२०२२

अमिलेश आज उपर्युक्त किया गया। देनदार अनु-
पश्चिम। संक्षिप्त थाना से कायान्वयन अप्राप्त है।
अमिलेश किंवा १४/७/२०२२ को रखें।

उपर्युक्त

पासीनालक पड़ाविकार
२४ सद

बीलाम पश पदाविकार
बाटौरिला।

१४/७/२०२२ अमिलेश आज उपर्युक्त किया गया। देनदार
अनुपश्चिम है। संक्षिप्त थाना से कायान्वयन
प्रतिवेदन अप्राप्त है।

अमिलेश किंवा ३०/७/२०२२ को रखें।

उपर्युक्त

पासीनालक पड़ाविकार
२४ सद

बीलाम पश पदा०
बाटौरिला।

२५/७/२०२२

अमिलेश आज उपर्युक्त किया गया। संक्षिप्त
थाना से बाईं का कायान्वयन प्रतिवेदन अप्राप्त है।
देनदार की ओर से एक आवेदन पश के माध्यम
से शुचित किया गया है कि शाश्वत प्रवन्धक बैंक
ऑफ इंडिया ज्ञालकाटा बैंक का साथ एक मुक्त -
शमान्त्रित कर दिया है। बैंक द्वारा NO Dues प्रमाण प्राप्त
निश्चित किया गया है जो आवेदन के साथ संलग्न
के इक हजार न्यायालय में जमा है। उन्होंने कैसे
की समाप्त करने हैं अनुरोध किया गया है।

अनु देनदार डाका समर्पित No Dues प्रमाण पत्र
सहि है तो इसका सत्यता जांच हुत तथा बाह्यको
समाप्त करने हुत अवशेष कोई की इस व्याचालय
में उपलब्ध करने हुत संकेतित बीक को पत्र में
अमितीश दिनांक १६/४/२०२२ की रखें।

तेजपापित
कान्तिपालका दुर्दिवाला
प्रसाद
नीलाम पत्र पक्षियादि
बाटियाला

८१०

